पाठ्यक्रम संरचना कक्षा: IX (2021-2022)

विषय: सामाजिक विज्ञान

(सी. बी. एस. ई. विषय कोड संख्या. 087)

सत्र I

क्रम संख्या	इकाई	अंक
I	भारत व समकालीन विश्व–1	10
II	समकालीन भारत–1	10
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–1	10
IV	अर्थशास्त्र	10
	कुल	40

सत्र II

क्रम संख्या	इकाई	अंक
I	भारत व समकालीन विश्व–1	10
II	समकालीन भारत–1	10
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–1	10
IV	अर्थशास्त्र	10
	कुल	40

सत्रीय पाठ्यक्रम
प्रथम सत्र

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत व समकालीन विश्व–1	<u>अध्याय–1 फ्रांसीसी क्रांति</u> • अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध में फ्रांसीसी समाज • क्रांति की शुरुआत • फ्रांस में राजतंत्र का उन्मूलन और गणराज्य की स्थापना • क्या महिलाओं के लिए भी क्रांति हुई? • दास प्रथा का उन्मूलन • क्रांति और रोजाना की जिंदगी।	इस विषयवस्तु में विद्यार्थी विभिन्न विचारधाराओं, भाषणों के अंश, कार्टूनों (रेखाचित्रों) पोस्टरों, उत्कीर्णनों आदि की राजनीति से परिचित हो सकेंगे। विद्यार्थी जान सकेगें कि इन ऐतिहासिक साक्ष्यों की व्याख्या किस प्रकार की जा सकती हैं। • क्रांति से संबन्धित लोगों के नामों, विभिन्न विचारों जिन्होंने क्रांति को प्रोत्साहित किया तथा उन वृहद बलों से परिचित होना जिन्होंने क्रांति को मूर्त रूप प्रदान किया। • क्रांति के इतिहास की पुनःप्राप्ति के लिए लिखित, दृश्य एवं श्रव्य माध्यमों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।
समकालीन भारत–1	<u>अध्याय–1 भारतः आकार और स्थिति</u> ● भारत आकार एवं स्थिति ● भारत एवं विश्व ● भारत के पड़ोसी देश	• भारतीय उपमहाद्वीप में भारत की अवस्थिति की पहचान।
<u>समकालीन भारत–1</u>	<u>अध्याय–2: भारत का भौतिक स्वरुप</u> भारत के मुख्य भौगोलिक वितरण की प्रकृति	• प्रमुख स्थलाकृतियों की विशेषताओं, अंतर्निहित भूगर्भिक संरचनाओं, विभिन्न चट्टानों एवं खनिजों से उनके संबंध तथा खनिजों एवं मृदा के प्रकारों की प्रकृति को समझना।
<u>लोकतान्त्रिक राजनीति–1</u>	<u>अध्याय–1 लोकतन्त्र क्या ? लोकतन्त्र क्यों ?</u> • लोकतन्त्र क्या है? • लोकतन्त्र की विशेषताएँ • लोकतन्त्र क्यों? • लोकतन्त्र का वृहत्तर अर्थ।	• लोकतन्त्र को परिभाषित करने के अवधारणात्मक कौशलों का विकास। • लोकतन्त्र को विकसित करने की विभिन्न एतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों की समझ। • सामान्य पूर्वाग्रहों के विरुद्ध लोकतन्त्र के परिष्कृत बचाव का विकास। • भारत में लोकतन्त्र के चुनाव और प्रकृति की एतिहासिक समझ का विकास।

<u>लोकतान्त्रिक राजनीति–1</u>	<u>अध्याय–2 : संविधान निर्माण</u> • हमें संविधान की जरूरत क्यों है? • भारतीय संविधान का निर्माण, • भारतीय संविधान के बुनियादी मूल्य।	• संविधान निर्माण की प्रक्रिया की समझ। • संविधान के प्रति आदर और संवैधानिक मूल्यों की सराहना का विकास। • संविधान की एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज़ के रूप में पहचान।
<u>अर्थशास्त्र</u>	<u>अध्याय–1 पालमपुर की कहानी</u> • अवलोकन • उत्पादन प्रक्रिया तथा उसके कारक • पालमपुर में विभिन्न कृषि कार्यकलाप • पालमपुर में गैर–कृषि कार्यकलाप	• एक काल्पनिक गाँव की कहानी के द्वारा आधारभूत बुनियादी, आर्थिक अवधारणा से परिचित होना।
<u>अर्थशास्त्र</u>	<u>अध्याय–2 संसाधन के रूप में लोग</u> • अवलोकन • महिलाओं एवं पुरूषों के द्वारा किए जाने वाले आर्थिक क्रियाकलाप • जनसंख्या की गुणवत्ता • बेरोजगारी	• जनसांख्यिकीय अवधारणा की समझ। • जनसंख्या का किसी देश के लिए एक संपत्ति या दायित्व के रूप में समझ।

<u>प्रथम सत्रीय मानचित्र कार्य कक्षा IX (2021–22)</u>

इतिहास

<u>अध्याय–1: फ्राँसीसी क्रांति</u>

- बोरडेक्स
- नान्ते
- पेरिस
- मार्सिलेस

<u>भूगोल</u>

<u>अध्याय–1: भारत .आकार और स्थिति</u>

भारत के राज्य व राजधानियाँ, कर्क रेखा, मानक मध्याह्न रेखाएँ

<u>अध्याय–2. भारत के भौतिक स्वरूप</u> –

- पर्वत श्रेणियाँ – काराकोरम, जास्कर, शिवालिक, अरावली, विध्यांचल, सतपुड़ा, पश्चिमी घाट, पूर्वी घाट
- पर्वत शिखर – के–2, कंचनजंगा, अनाईमुदी।
- पठार – दक्कन पठार, छोटा नागपुर पठार, मालवा का पठार।
- तटीय मैदान – कोंकण, मालाबार, कोरोमण्डल, उत्तरी सरकार;

द्वितीय सत्र

पाठ्य पुस्तक	विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य
भारत व समकालीन विश्व –1	<u>अध्याय–2: यूरोप में समाजवाद एवं रुसी क्रान्ति</u> • सामाजिक परिवर्तन का युग • रूसी क्रांति • पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति • अक्तूबर के बाद क्या बदला? • रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव	इस विषयवस्तु में विद्यार्थी विभिन्न विचारधाराओं, भाषणों के अंश, कार्टूनों (रेखाचित्रों) पोस्टरों, उत्कीर्णनों आदि की राजनीति से परिचित हो सकेंगे। विद्यार्थी सीख सकेगें कि इन ऐतिहासिक साक्ष्यों की व्याख्या किस प्रकार की जा सकती हैं। • रूसी क्रांति के अध्ययन के द्वारा समाजवाद के इतिहास की पड़ताल करना। • क्रांति को प्रेरित करने वाले विभिन्न विचारों से परिचित होना।
भारत व समकालीन विश्व–1	<u>पाठ–3: नात्सीवाद और हिटलर का उदय</u> • वाइमर गणराज्य का जन्म • हिटलर का उदय • नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण • नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति • आम जनता और मानवता के खिलाफ अपराध।	• आधुनिक विश्व की राजनीति को आकार देने में नात्सीवाद के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा। • नात्सी नेताओं के भाषणों एवं लेखों से परिचित होना।
<u>समकालीन भारत–1</u>	<u>अध्याय–3: अपवाह</u> • प्रमुख नदियाँ एवं अपवाह तंत्र • झीलें • अर्थव्यवस्था में नदियों का योगदान • नदी प्रदूषण तथा रोकने के उपाय। *नोटः इस अध्याय के केवल मानचित्र सूची में दिए गए मानचित्र कार्यों का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा में किया जाएगा।*	• देश के नदी तंत्रों की पहचान करना एवं मानव समाज में नदियों के महत्व को स्पष्ट करना ।
<u>समकालीन भारत–1</u>	<u>अध्याय–4: जलवायु</u> • जलवायु अवधारणा • जलवायवी नियंत्रण • भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक • भारतीय मानसून • वर्षा का वितरण • मानसून एकता का परिचायक।	• जलवायु को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को पहचानना तथा हमारे देश के जलवायविक बदलावों, इसके लोगों के जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों की पहचान। • मानसून की एकता में भूमिका तथा महत्व का वर्णन।

समकालीन भारत–1	अध्याय–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी • प्राकृतिक वनस्पति को प्रभावित करने वाले कारक • वनस्पति के प्रकार • वन्य प्राणी संरक्षण	• विविध प्राकृतिक वनस्पतियों एवं वन्य जीवों की प्रकृति और वितरण का वर्णन। • हमारे देश की जैव विविधता को संरक्षित करने की जागरूकता का विकास।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	अध्याय–3: चुनावी राजनीति • चुनाव क्यों? • चुनाव की हमारी प्रणाली क्या है? • भारत में चुनाव क्यों लोकतांत्रिक है?	• प्रतिनिधि लोकतन्त्र बनाम प्रतिस्पर्धी दलगत राजनीति की समझ। • भारतीय चुनाव प्रणाली से परिचय। • वर्तमान भारतीय चुनाव व्यवस्था को अपनाने के कारणों की समझ। • चुनावी राजनीति में जनता की बढ़ती भागीदारी की सराहना करने की भावना का विकास। • चुनाव आयोग के महत्व की पहचान।
लोकतान्त्रिक राजनीति–1	अध्याय–4: संस्थाओं का काम काज • प्रमुख नीतिगत फैसले कैसे लिए जाते हैं? • संसद • राजनैतिक कार्यपालिका • न्यायपालिका	• केंद्रीय शासकीय संस्थाओं का अवलोकन। • संसद की भूमिका एवं संसदीय प्रक्रियाओं की पहचान। • राजनीतिक एवं स्थायी कार्यपालिका के कार्यों में अंतर की पहचान। • संसदीय व्यवस्था में कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जबाबदेही की समझ। • भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली की समझ।
अर्थशास्त्र	अध्याय–3: निर्धनता एक चुनौती • निर्धनता के दो प्रकार • निर्धनता को देखने के सामाजिक वैज्ञानिकों के दृष्टिकोण • निर्धनता का निर्धारण • असुरक्षित समूह • अंतर्राज्यीय विभिन्नता • निर्धनता का वैश्विक दृष्टिकोण • निर्धनता के कारण • निर्धनता निरोधी उपाय • आने वाली चुनौतियाँ	• निर्धनता को एक चुनौती के रूप में समझना। • असुरक्षित समूहों तथा अंतर राज्यीय असमानताओं को पहचानना। • निर्धनता उन्मूलन के लिए किए जा रहे सरकारी प्रयासों की सराहना करना।

द्वितीय सत्रीय मानचित्र कार्य कक्षा IX (2021–22)

इतिहास

अध्याय–2 यूरोप में समाजवाद तथा रुसी क्रान्ति

विश्व के मानचित्र पर – दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना

प्रथम विश्व युद्ध के प्रमुख देश –

केन्द्रीय शक्तियाँ– जर्मनी, आस्ट्रिया–हंगरी, तुर्की (ऑटोमन साम्राज्य)

मित्र राष्ट्र– फ्राँस, इंग्लैण्ड, रुस, संयुक्त राज्य अमेरिका

अध्याय–3: नात्सीवाद तथा हिटलर का उदय ;

विश्व मानचित्र पर दिखाकर नाम लिखना/पहचान करना व अंकित करना

द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रमुख देश

धुरी राष्ट्र– जर्मनी, इटली, जापान

मित्र राष्ट्र –यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, भूतपूर्व सोवियत संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका

नात्सी साम्राज्य विस्तार के क्षेत्र-

आस्ट्रिया, पोलेण्ड, चेकलोस्वाकिया (केवल स्लोवाकिया) , डेनमार्क, लिथुवानिया, फ्रांस, बेल्जियम।

भूगोल

अध्याय–3: अपवाह

नदियाँ (केवल पहचानना)

- **हिमालयी नदी तंत्र–सिन्धु, गंगा, सतलुज;**
- **प्रायद्वीपीय नदी तंत्र – नर्मदा, तापी, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी**

झीलें – वुलर, पुलीकट, सांभर, चिल्का,

अध्याय–4: जलवायु

20 से.मी. से कम तथा **400 से.मी. से अधिक** वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र ;केवल पहचान के लिए।

अध्याय–5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य जीव

- वनस्पति प्रकार – उष्णकटिबन्धीय सदाबहार वन, उष्णकटिबन्धीय पर्णपाती वन, कंटीले वन, पर्वतीय वन, मैंग्रोव (केवल पहचान करने के लिए)
- राष्ट्रीय उद्यान – कार्बेट, काजीरंगा, रणथम्भौर, शिवपुरी, कान्हा, सिमलीपाल, मानस
- पक्षी अभ्यारण्य – भरतपुर, रंगनथिटो
- वन्य जीव अभ्यारण्य – सरिस्का, मुदुमलाई, राजाजी, दाचीगाम (दिखाकर नाम लिखना व अंकित करना।)

कक्षा के लिए परियोजना कार्य

कुल अंक: 05

1. **प्रत्येक विद्यार्थी को अनिवार्य रुप से एक परियोजना कार्य** आपदा प्रबंधन **विषय पर करना है।**
2. **<u>उद्देश्य</u>** –आपदा प्रबंधन से संबन्धित परियोजना कार्य विद्यार्थियों को देने का उद्देश्य है कि–

क. विद्यार्थियों में विभिन्न आपदाओं,उसके प्रभाव तथा प्रबंध के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

ख. ऐसी किसी स्थिति से निबटने के लिए उन्हें पहले से ही तैयार करना,

ग. आपदा शमन योजना में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना,

घ. समुदायों में जागरूकता एवं तत्परता विकसित करने हेतु उन्हें समर्थ बनाना।

3. परियोजना कार्य द्वारा विद्यार्थियों के जीवन कौशलों का विकास करने का प्रयास करना चाहिए।

4. यदि संभव हो तो विभिन्न प्रकार की कलाओं को भी परियोजना कार्य में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

5. अपेक्षित उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति के लिए प्रधानाचार्य/अध्यापकगणों द्वारा विभिन्न स्थानीय प्राधिकारणों एवं संस्थाओं जैसे- आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राहत पुनर्वास, राज्यों के आपदा प्रबंधन विभाग,जिला दंडाधिकारी/उपायुक्त, अग्नि शमन, पुलिस, सिविल डिफेंस आदि से सहयोग प्राप्त किया जाए जहाँ स्कूल अवस्थित हैं।

6. **परियोजना कार्य के लिए अंक वितरण इस प्रकार है –**

क्रम संख्या	आयाम	अंक
1	विषयवस्तु की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
२	प्रस्तुतीकरण तथा रचनात्मकता	2
३	साक्षात्कार	1

7. इन परियोजना कार्यों को विद्यार्थियों से क्रियाकलापों जैसे – प्रदर्शनी, वाद–विवाद आदि द्वारा साझा किए जाने चाहिए।

8. परियोजना कार्य के मूल्यांकन सम्बन्धी दस्तावेज विद्यालय द्वारा सावधानीपूर्वक अनुरक्षित किए जाने चाहिए।

9. एक संक्षिप्त विवरण भी तैयार किया जाएगा जिसमें निम्न बिन्दुओं को उजागर किया गया हो –

1. व्यक्तिगत या सामूहिक विचार–विमर्श द्वारों साधित उद्देश्य
2. क्रियाकलापों का कलेंडर
3. इस प्रक्रिया से निकले अभिनव विचार
4. मौखिक जाँच में पूछे गए प्रश्नों की सूची

10. सभी शिक्षक व विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखेगें कि परियोजना तथा प्रतिरुप बनाने के लिए पर्यावरण हितैषी सामग्री का उपयोग किया गया हो तथा मितव्ययीता का ध्यान रखें।

11. परियोजना विवरण प्रतिवेदन विद्यार्थियों द्वारा हस्तलिखित हो।

12. प्रोजेक्ट रिपोर्ट (आन्तरिक परीक्षण का अभिलेख तीन माह तक जाँच हेतु (यदि कोई हो तो) सुरक्षित रखा जाए।

<u>अनुशंसित पुस्तकें</u>.

1 इतिहास: भारत व समकालीन विश्व 1 – NCERT द्वारा प्रकाशित
2 भूगोल: समकालीन भारत-1 – NCERT द्वारा प्रकाशित
3 राजनीति विज्ञान: लोकतान्त्रिक राजनीति-1 – NCERT द्वारा प्रकाशित
4 अर्थशास्त्र: आर्थिक विकास की समझ – NCERT द्वारा प्रकाशित
5 आओ मिल कर चलें एक सुरक्षित भारत की ओर भाग-2 - आपदा प्रबंधन के लिए पाठ्य पुस्तक कक्षा IX– सीबीएसई द्वारा प्रकाशित
6. माध्यमिक स्तर पर अधिगम उद्देश्य – एन.सी.ई.आर.टी द्वारा प्रकाशित

नोट- कृपया एनसीईआरटी द्वारा मुद्रित नवीन संस्करण की पाठ्यपुस्तकों का ही प्रयोग कीजिए।